

कार्यालय नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र हाथरस।

पत्रांक : सीनो / वि०क्ष० हाथरस / 2016

दिनांक 18/06/2016

श्री श्री पेन डि डि सु स्व० राम डि डि

ए-67, मोती कुंज, डायाज

अर्जिय ह्य आरोपित करवे ह्य
मान कि स्वीकृत विभाग पाठ

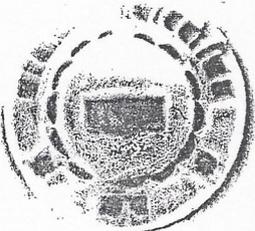
महोदय,

आपके द्वारा प्रस्तुत विकास/विन्यास मानचित्र पत्रावली सं० RB-100/2016-17
दिनांक 13/06/2016 को कि शजरा सं० 382

स्थित सीजा इलीखा भगवतपुर नगर हाथरस के
सम्बन्ध में आपको निम्नांकित शर्तों के साथ प्रस्तुत मानचित्र के अनुसार भूमि के विकास करने की
अनुज्ञा प्रदान की जाती है।

1. प्रस्तावित भूमि के विकास हेतु दी अनुज्ञा स्वीकृति के दिनांक से पाँच वर्ष तक वैध मानी जायेगी। तथा समस्त विकास कार्य निर्धारित अवधि में ही पूर्ण करना होगा।
2. प्रस्तावित स्थल का समस्त वाह्य एवं अन्तः विकास यथा सड़को/गलियों का निर्माण खडजा लगाना, नालियों/गटर/पानी के निकास एवं मल निकास की व्यवस्था तथा प्रकाश की व्यवस्था एवं पार्को एवं खेल के मैदान की व्यवस्था तथा सार्वजनिक उपयोगिता के विकास की व्यवस्था आदि सभी स्वयं के व्यय पर करनी होगी साथ ही समस्त विकास कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण करने होंगे।
3. समस्त विकास के दौरान मानचित्र सदैव स्थल पर रखा जाएगा तथा किसी भी समय निरीक्षण के समक्ष निरीक्षणकर्ता को उपलब्ध कराया जायेगा।
4. विकास कार्य आरम्भ करने या समाप्त होने की सूचना नियमानुसार निर्धारित प्रपत्रों पर इस विभाग को दी जायेगी।
5. स्वीकृत मानचित्र के अनुसार यदि विकास कार्य के दौरान कोई भी परिवर्तन किया जायेगा तो नियमानुसार परिवर्तन करने से पूर्व उराकी सूचना विभाग को दी जायेगी तथा पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त ही कोई परिवर्तन किया जायेगा।
6. किसी भी प्रकार के भूस्वामित्व विवाद के लिये पूर्णतः आपका उत्तरदायित्व होगा।
7. उपरोक्त शर्तों के अतिरिक्त यदि आवश्यक हुआ तो विकास कार्य के दौरान यदि अन्य कोई शर्त लागू की जायेगी तो वह अनापत्ति मान्य होगी।
8. बंधक किये गये भूखण्ड सं० 1, 2, 3, 4, 5, 6 को समस्त आन्तरिक/वाह्य विकास पूरा कराने के उपरान्त अवमुक्त किया जायेगा तथा अबमुक्त कराये बिना बंधक भूखण्ड को विक्रय नहीं किया जायेगा। प्रत्येक भूखण्ड पर भवन निर्माण की स्वीकृति भूखण्ड क्रेता द्वारा प्रथम से प्राप्त करने के उपरान्त ही भवन निर्माण जायेगा।

संलग्नक :- एक प्रति मानचित्र।



निबन्ध प्राधिकारी
विनियमित क्षेत्र, हाथरस